Innovation, Design, and Entrepreneurship (IDE) Bootcamp
(December 6th & 7th, 2024)

Media Coverage in Various Newspapers

Compiled by

Central Library
Integral University, Lucknow

December 9, 2024

PAGE-02

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

यूनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

इंटीग्रल विश्वविद्यालय में इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प का हुआ सफल समापन

लखनऊ। इंटीग्रल विश्वविद्यालय में इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन के सहयोग से ÷इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (ह्रुश्च) बूटकैम्प÷ का आयोजन हुआ, जो भारत सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग , AICTE, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की साझेदारी से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता के विचारधारा को बढ़ावा देना था और इसमें पीएम श्री स्कूलों के 200 प्रिंसिपल और शिक्षकों ने भाग लिया। इंटीग्रल विश्विद्यालय के माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मिशन विकसित भारत 2047 निश्चित रूप से देश की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगा। इंटीग्रल विश्विद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर श्री जावेद मसर्रत ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नवाचार एवं उद्यमशीलता की किसी भी देश को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है और छात्र ही देश का भविष्य हैं इसलिए यह ज़रूरी है कि हमारे छात्रों तक यह ज्ञान पहुंचे एवं उनके दिनचर्या में इसको शामिल किया जाना चाहिए।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री जय प्रकाश पांडेय, कुलपति, ए के टी यू, लखनऊ ने कहा कि हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमें पहले स्थान पर आने के लिए स्टार्ट अप व इनोवेशन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत फेसबुक, गूगल, व्हाट्सएप, माइक्रोसॉफ्ट एवं ऐपल आदि कंपनियों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है किंतु यह सभी विदेशी उत्पाद हैं इसलिए आवश्यकता है कि हम भी ऐसे उत्पाद बनाएं जिसका विदेशी बाजारों में अधिकाधिक प्रयोग हो। भारतीय स्टार्टअप ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में गेमचेंजर की भूमिका अदा करेंगे। इसके बाद श्री शिवेंद्र मणि त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एमआईसी) ने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन पर प्रकाश डाला एवं विकसित भारत संबंधित योजनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत ÷कस्टमर डिस्कवरी वर्कशॉप÷ से हुई, जिसमें श्री शेख वसीम (वाधवानी फाउंडेशन) ने सहभागियों को ग्राहक, उपभोक्ता, बाजार के प्रकार, बाजार विभाजन, जनसांख्यिकी, झरू ग्रू और स्हरू के बारे में जानकारी दी। इसके बाद श्री शुभम कौशिक (प्रोजेक्ट मैनेजर और यूपी स्टार्टअप पॉलिसी के कंसल्टेंट) ने उत्तर प्रदेश सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी और उपलब्ध ग्रांट्स के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य, केरल, गोवा, आंध्र प्रदेश और राजस्थान के बाद 2016 में अपनी स्टार्टअप पॉलिसी लॉन्च करने वाला पांचवां राज्य था। श्री कौशिक ने यह भी बताया कि भारत विश्व में चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जहां 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप्स कार्य कर रहे हैं। इसके बाद श्री मदन मोहन शरण सिंह ने बताया कि कैसे इनक्यूबेशन सेंटर छात्रों के विचारों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने तकनीकी तत्परता स्तर, ए आई सी टी ई आइडिया लैब, और विभिन्न सरकारी सहायता एवं योजनाओं जैसे युक्ति पोर्टल, बायोटेक इग्निशन ग्रांट, सिडबी ग्रांट, टी डी बी सीड फंड, अटल इनोवेशन मिशन, निधि योजना, कलाम प्रोग्राम, और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के बारे में जानकारी दी। अंत में डॉ श्री आलोक पांडे संस्थापक आईटेक ग्रुप ने कहा कि इनोवेशन का अर्थ है किसी भी कार्य को गति प्रदान करना एवं विज़न टू रियल्टी, रिजेक्शन टू परफेक्शन तक पहुंचना। प्रोफेसर हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार इंटीग्रल विश्विद्यालय ने अपने संबोधन केंद्र सरकार, शिक्षा मंत्रालय, ए आई सी टी ई तथा सभी गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद दिया । तत्पश्चात डा निदा फातिमा, कार्यकारी निदेशक आई एस एफ ने दो दिवसीय बूट कैंप की रिपोर्ट पेश की इसी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस बूटकैम्प का उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷विकसित भारत 2047 मिशन को साकार करना है।

December 8, 2024

PAGE-02

हिन्दी दैनिक सिग्मा न्यूज़ यूपीएचआईएन/2013/51449
खबरें आप तक

इंटीग्रल विश्वविद्यालय में इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का सफल समापन हुआ

लखनऊ(सिग्मा न्यूज) । इंटीग्रल विश्वविद्यालय में इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का आयोजन हुआ, जो भारत सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (DoSEL), AICTE, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (MIC) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की साझेदारी से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता के विचारधारा को बढ़ावा देना था और इसमें पीएम श्री स्कूलों के 200 प्रिंसिपल और शिक्षकों ने भाग लिया। इंटीग्रल विश्विद्यालय के माननीय चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मिशन विकसित भारत 2047 निश्चित रूप से देश की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने प्रदेश सरकार की स्कूली बच्चों को नौकरी लेने के बजाय नौकरी देने वाला बनाने के लिए वित्तीय सहायता एवं योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश को विकसित बनाने में हम सबकी अपनी-अपनी भूमिका है और अगर हम इसको तत्परता से निभाए तो निश्चित रूप से भारत एक दिन विश्वगुरु ज़रूर बनेगा। इंटीग्रल विश्विद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर श्री जावेद मसर्रत ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नवाचार एवं उद्यमशीलता की किसी भी देश को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है और छात्र ही देश का भविष्य हैं इसलिए यह ज़रूरी है कि हमारे छात्रों तक यह ज्ञान पहुंचे एवं उनके दिनचर्या में इसको शामिल किया जाना चाहिए। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री जय प्रकाश पांडेय, कुलपति, ए के टी यू, लखनऊ ने कहा कि हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमें पहले स्थान पर आने के लिए स्टार्ट अप व इनोवेशन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत फेसबुक, गूगल, व्हाट्सएप, माइक्रोसॉफ्ट एवं ऐपल आदि कंपनियों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है किंतु यह सभी विदेशी उत्पाद हैं इसलिए आवश्यकता है कि हम भी ऐसे उत्पाद बनाएं जिसका विदेशी बाजारों में अधिकाधिक प्रयोग हो। भारतीय स्टार्टअप ही देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने में गेमचेंजर की भूमिका अदा करेंगे। इसके बाद श्री शिवेंद्र मणि त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक, शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल (एमआईसी) ने प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन पर प्रकाश डाला एवं विकसित भारत संबोधित योजनाओं पर चर्चा की । कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत कस्टमर डिस्कवरी वर्कशॉप से हुई, जिसमें श्री शेख वसीम (वाधवानी फाउंडेशन) ने सहभागियों को ग्राहक, उपभोक्ता, बाजार के प्रकार, बाजार विभाजन, जनसांख्यिकी, ञरू ग्रू और स्हरू के बारे में जानकारी दी। इसके बाद श्री शुभम कौशिक (प्रोजेक्ट मैनेजर और यूपी स्टार्टअप पॉलिसी के कंसल्टेंट) ने उत्तर प्रदेश सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी और उपलब्ध ग्रांट्स के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य, केरल, गोवा, आंध्र प्रदेश और राजस्थान के बाद 2016 में अपनी स्टार्टअप पॉलिसी लॉन्च करने वाला पांचवां राज्य था। श्री कौशिक ने यह भी बताया कि भारत विश्व में चौथा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जहां 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप्स कार्य कर रहे हैं। इसके बाद श्री मदन मोहन शरण सिंह (इंडोवेशन मैनेजर, MIC) ने बताया कि कैसे इनक्यूबेशन सेंटर छात्रों के विचारों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने तकनीकी तत्परता स्तर, ए आई सी टी ई आइडिया लैब, और विभिन्न सरकारी सहायता एवं योजनाओं जैसे युक्ति पोर्टल, बायोटेक इग्निशन ग्रांट, सिडबी ग्रांट, टी डी बी सीड फंड, अटल इनोवेशन मिशन, निधि योजना, कलाम प्रोग्राम, और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के बारे में जानकारी दी। अंत में डॉ श्री आलोक पांडे संस्थापक आईटेक ग्रुप ने कहा कि इनोवेशन का अर्थ है किसी भी कार्य को गति प्रदान करना एवं विज़न टू रियल्टी, रिजेक्शन टू परफेक्शन तक पहुंचना। प्रोफेसर हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार इंटीग्रल विश्विद्यालय ने अपने संबोधन केंद्र सरकार, शिक्षा मंत्रालय, ए आई सी टी ई तथा सभी गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद दिया । तत्पश्चात डा निदा फातिमा, कार्यकारी निदेशक आई एस एफ ने दो दिवसीय बूट कैंप की रिपोर्ट पेश की इसी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस बूटकैम्प का उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को साकार करना है।

December 8, 2024

PAGE-02

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

विकसित भारत 2047 मिशन पर चर्चा की

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग नवाचार सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से प्रतिष्ठित द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्विद्यालय में किया। 200 प्रिंसिपल और शिक्षकों ने भाग लिया। चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख़्तर ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन विकसित भारत 2047 मील का पत्थर साबित होगा। प्रोफेसर जावेद मसर्रत,जय प्रकाश पांडेय, कुलपति, एकेटीयू, शिवेंद्र मणि त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक, शेख वसीम वाधवानी फाउंडेशन,शुभम कौशिक, डॉ आलोक पांडे,डा निदा फातिमा, कार्यकारी निदेशक आईएसएफ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

December 8, 2024

इन्क़िलाबी नज़र

आदमी की

लखनऊ, रविवार, 8 दिसम्बर, 2024

PAGE-02

भारत एक दिन विश्व गुरु जरूर बनेगा

⦿ इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में चल रहे बूट कैम्प का हुआ समापन

लखनऊ (सं)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन विकसित भारत 2047 निश्चित रूप से देश की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगा। यह बात इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, एआईसीटीई भारत सरकार, नवाचार सेल, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद एनसीआरटी के सहयोग से इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप आईडीई बूटकैम्प के समापन पर चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर ने कही।

उन्होंने कहा कि देश को विकसित बनाने में हम सबकी अपनी-अपनी भूमिका है और अगर हम इसको तत्परता से निभाए तो निश्चित रूप से भारत एक दिन विश्वगुरु जरूर बनेगा।

कुलपति प्रोफेसर जावेद मसर्रत ने कहा कि नवाचार एवं उद्यमशीलता की किसी भी देश को विकसित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है और छात्र ही देश का भविष्य हैं इसलिए यह जरूरी है कि हमारे छात्रों तक यह ज्ञान पहुंचे एवं उनके दिनचर्या में इसको शामिल किया जाना चाहिए। कुलपति एकेटीयू जय प्रकाश पांडेय ने कहा कि हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमें पहले स्थान पर आने के लिए स्टार्ट अप व इनोवेशन महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि भारत फेसबुक, गूगल, व्हाट्सएप, माइक्रोसॉफ्ट एवं ऐपल आदि कंपनियों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। यह सभी विदेशी उत्पाद हैं इसलिए आवश्यकता है कि हम भी ऐसे उत्पाद बनाएं जिसका विदेशी बाजारों में अधिकाधिक प्रयोग हो।

December 8, 2024

PAGE-3

روزنامہ راشٹریہ سہارا

لکھنؤ: انٹیگرل یونیورسٹی میں 'انوویشن ڈیزائن اور انٹرپرینیورشپ' بوٹ کیمپ کا کامیابی کے ساتھ اختتام ہوگیا۔ اس موقع پر پوز دیتے ہوئے شرکاء۔

December 8, 2024

PAGE-2

THE INQUILAB
انقلاب

انٹیگرل یونیورسٹی میں 'آئی ڈی ای بوٹ کیمپ' کا اختتام

لکھنؤ (نامہ نگار): انٹیگرل یونیورسٹی میں انٹیگرل اسٹارٹ اپ فاؤنڈیشن کے تعاون سے منعقد ہونے والے انوویشن، ڈیزائن اور انٹر پرینیور شپ (آئی ڈی ای) بوٹ کیمپ کا اختتام ہوا۔ اس پروگرام کا مقصد تعلیمی اداروں میں آپسی تال میل کو فروغ دینا تھا۔ اس میں پی ایم شری اسکولوں کے ۲۰۰ ؍سے زائد پرنسپل و اساتذہ شریک ہوئے۔ یونیورسٹی کے چانسلر پروفیسر وسیم اختر نے کہا کہ وزیراعظم نریندر مودی کے مشن 'وکست بھارت ۲۰۴۷ء' یقینی طور پر ملک کی ترقی میں میل کا پتھر ثابت ہوگا۔ ریاستی حکومت اسکولی بچوں کو ملازمت لینے والا نہیں ملازمت دینے والا بنانے کے لئے اہم اقدامات شروع کئے ہیں جو قابل ستائش ہیں۔ اس کے علاوہ وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت، مہمان خصوصی جے پرکام پانڈے وی سی اے کے ٹی یو لکھنؤ، شویندر منی ترپاٹھی ریجنل کوآرڈینیٹر ایم آئی سی نے خطاب کیا۔ وہیں دوسرے دن کی شروعات کسٹمر ڈسکوری ورکشاپ سے ہوئی، جس کو شیخ وسیم (وادھوانی فاؤنڈیشن)، شبھم کوشک (یوپی اسٹارٹ اپ پالیسی) نے خطاب کیا۔ وہیں مدن موہن شرن سنگھ اور ڈاکٹر آلوک پانڈے نے اسٹاٹ اپ پر روشنی ڈالی۔ پروفیسر حارث صدیقی رجسٹرار انٹیگرل یونیورسٹی نے شکریہ ادا کیا۔

December 8, 2024

PAGE-8

रविवासरीय हिन्दुस्तान

स्टार्टअप से मजबूत बनेगी अर्थव्यवस्था

लखनऊ। इंटीग्रल विश्वविद्यालय में इंटीग्रल स्टार्टअप फाउंडेशन की ओर से इनोवेशन, डिजाइन, एंटरप्रेन्योरशिप (आईडीई) बूटकैम्प का समापन हुआ। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, एआईसीटीई, एनसीईआरटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एकेटीयू कुलपति जय प्रकाश पांडेय ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में गेमचेंजर की भूमिका अदा करेंगे। कहा कि हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। पहले स्थान पर आने के लिए स्टार्टअप और इनोवेशन जरूरी हैं। भारत फेसबुक, गूगल, ऐपल आदि कंपनियों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

December 7, 2024

द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का इंटीग्रल विश्विद्यालय में आयोजन

लखनऊ: ब्यूरो::

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, AICTE, भारत सरकार, नवाचार सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के सहयोग से प्रतिष्ठित द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्विद्यालय में किया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन (ISF) के एंबेसडर द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए पौधे भेंट करने से हुई। इसके बाद डा निदा फातिमा ने गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया तत्पश्चात बूटकैम्प की शुरुआत हुई।

प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, माननीय कुलपति, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, ने अपने संबोधन में बताया कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्योगों पर प्रभाव डालने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में निहित है।

December 7, 2024

माननीय मुख्य अतिथि, श्री रवि रंजन, IAS, MD, UPLC ने उद्घाटन भाषण में शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिससे वे छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें और उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें।

सम्मानित अतिथि, श्री विष्णु कांत पांडेय, ASPD, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश ने कहा कि शिक्षकों को उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान द्वारा सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे छात्रों में रचनात्मक सोच और उद्यमिता बढ़ावा मिले। श्री मदन मोहन शरण सिंह, इण्डोवेशन मैनेजर, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल (MIC) ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स भविष्य को आकार दे रहे हैं और शिक्षकों तथा विद्यालयों के नेतृत्व में उद्यमिता सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की यात्रा को संक्षेप में साझा किया। उनके भाषण ने विश्वविद्यालय की नवाचार और उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का संदर्भ प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ ।

इसके बाद अन्य सत्र आयोजित किए गए जिसमें स्पार्क क्वेस्ट: नवाचार और डिज़ाइन थिंकिंग सिद्धांतों, आंतरिक उद्यमिता कौशल, समस्या और अवसर पहचानना, युवा नवप्रवर्तकों की मेंटरिंग, कस्टमर डिस्कवरी कार्यशाला, समाधान विचार, छात्र स्टार्टअप्स के लिए ग्रांट्स, फंडिंग अवसरों, प्रोटोटाइपिंग, वित्तीय साक्षरता के मूल सिद्धांत और प्रोटोटाइपिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

इन सत्रों में नवाचार के विभिन्न मॉडलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें उद्यमिता कौशल के अन्वेषण के लिए उपकरण, उद्यमिता उपक्रमों में नवाचारों पर केस चर्चाएँ, डिज़ाइन थिंकिंग दृष्टिकोण के साथ पर्सोना तैयार करना, ग्राहक सेगमेंट द्वारा Jobs-To-Be-Done के बारे में सीखना, विचार उत्पन्न करने की तकनीकें और अन्य संबंधित विषय शामिल थे।
सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के इन्क्यूबेशन सेंटर / सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया और DoSELMOE द्वारा किए गए नवाचार प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 7, 2024

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ: Integral University में बूट कैंप की हुई शुरुआत, ISF के एंबेसडर ने अतिथियों का किया स्वागत

लखनऊ, अमृत विचार। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, AICTE, भारत सरकार, नवाचार सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के सहयोग से प्रतिष्ठित द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्वविद्यालय में किया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन (ISF) के एंबेसडर द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए पौधे भेंट करने से हुई। इसके बाद डॉ. निदा फातिमा ने गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया। जिसके बाद बूटकैम्प की शुरुआत हुई।

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 7, 2024

प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, कुलपति, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में बताया कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्योगों पर प्रभाव डालने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में निहित है।

मुख्य अतिथि, रवि रंजन, IAS, MD, UPLC ने उद्घाटन भाषण में शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिससे वे छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें और उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें।

सम्मानित अतिथि, विष्णु कांत पांडेय, ASPD, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश ने कहा कि शिक्षकों को उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान द्वारा सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे छात्रों में रचनात्मक सोच और उद्यमिता बढ़ावा मिले। मदन मोहन शरण सिंह, इण्डोवेशन मैनेजर, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल (MIC) ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स भविष्य को आकार दे रहे हैं और शिक्षकों और विद्यालयों के नेतृत्व में उद्यमिता सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की यात्रा को संक्षेप में साझा किया। उनके भाषण ने विश्वविद्यालय की नवाचार और उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का संदर्भ प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ ।

इसके बाद अन्य सत्र आयोजित किए गए जिसमें स्पार्क क्रेस्ट: नवाचार और डिज़ाइन थिंकिंग सिद्धांतों, आंतरिक उद्यमिता कौशल, समस्या और अवसर पहचानना, युवा नवप्रवर्तकों की मेंटरिंग, कस्टमर डिस्कवरी कार्यशाला, समाधान विचार, छात्र स्टार्टअप्स के लिए ग्रांट्स, फंडिंग अवसरों, प्रोटोटाइपिंग, वित्तीय साक्षरता के मूल सिद्धांत और प्रोटोटाइपिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

इन सत्रों में नवाचार के विभिन्न मॉडलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें उद्यमिता कौशल के अन्वेषण के लिए उपकरण, उद्यमिता उपक्रमों में नवाचारों पर केस चर्चाएं, डिजाइन थिंकिंग दृष्टिकोण के साथ पर्सोना तैयार करना, ग्राहक सेगमेंट द्वारा Jobs-To-Be-Done के बारे में सीखना, विचार उत्पन्न करने की तकनीकें और अन्य संबंधित विषय शामिल थे। सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के इन्क्यूबेशन सेंटर / सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया और DoSELMOE द्वारा किए गए नवाचार प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 7, 2024

PAGE-02

हिन्दी दैनिक
सिग्मा न्यूज़
यूपीएचआईएन / 2013 / 51449
खबरें आप तक

द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्विद्यालय में किया गया

लखनऊ (सिग्मा न्यूज) । इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, AICTE, भारत सरकार, नवाचार सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के सहयोग से प्रतिष्ठित द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्विद्यालय में किया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन (ISF) के एंबेसडर द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए पौधे भेंट करने से हुई। इसके बाद डा निदा फातिमा ने गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया तत्पश्चात बूटकैम्प की शुरुआत हुई। प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, माननीय कुलपति, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, ने अपने संबोधन में बताया कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्योगों पर प्रभाव डालने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में निहित है। माननीय मुख्य अतिथि, श्री रवि रंजन, IAS, MD, UPLC ने उद्घाटन भाषण में शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिससे वे छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें और उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें। सम्मानित अतिथि, श्री विष्णु कांत पांडेय, ASPD, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश ने कहा कि शिक्षकों को उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान द्वारा सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे छात्रों में रचनात्मक सोच और उद्यमिता बढ़ावा मिले। श्री मदन मोहन शरण सिंह, इण्डोवेशन मैनेजर, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल (MIC) ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स भविष्य को आकार दे रहे हैं और शिक्षकों तथा विद्यालयों के नेतृत्व में उद्यमिता सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की यात्रा को संक्षेप में साझा किया। उनके भाषण ने विश्वविद्यालय की नवाचार और उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का संदर्भ प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ । इसके बाद अन्य सत्र आयोजित किए गए जिसमें स्पार्क क्रेस्ट॒ नवाचार और डिज़ाइन थिंकिंग सिद्धांतों, आंतरिक उद्यमिता कौशल, समस्या और अवसर पहचानना, युवा नवप्रवर्तकों की मेंटरिंग, कस्टमर डिस्कवरी कार्यशाला, समाधान विचार, छात्र स्टार्टअप्स के लिए ग्रांट्स, फंडिंग अवसरों, प्रोटोटाइपिंग, वित्तीय साक्षरता के मूल सिद्धांत और प्रोटोटाइपिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। इन सत्रों में नवाचार के विभिन्न मॉडलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें उद्यमिता कौशल के अन्वेषण के लिए उपकरण, उद्यमिता उपक्रमों में नवाचारों पर केस चर्चाएँ, डिज़ाइन थिंकिंग दृष्टिकोण के साथ पर्सोना तैयार करना, ग्राहक सेगमेंट द्वारा Jobs-To-Be-Done के बारे में सीखना, विचार उत्पन्न करने की तकनीकें और अन्य संबंधित विषय शामिल थे। सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के इन्क्यूबेशन सेंटर / सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया और DoSELMOE द्वारा किए गए नवाचार प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

Frequency: Daily

December 7, 2024

PAGE-11

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

यूनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प का आयोजन

युनाइटेड भारत

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, AICTE, भारत सरकार, नवाचार सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से प्रतिष्ठित द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्विद्यालय में किया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन के एंबेसडर द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए पौधे भेंट करने से हुई। इसके बाद डा निदा फातिमा ने गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया। प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, माननीय कुलपति, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, ने अपने संबोधन में बताया कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्योगों पर प्रभाव डालने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में निहित

है। माननीय मुख्य अतिथि, श्री रवि रंजन, IAS, MD, UPLC ने उद्घाटन भाषण में शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिससे वे छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें और उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें। सम्मानित अतिथि, श्री विष्णु कांत पांडेय, ASPD, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश ने कहा कि शिक्षकों को उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान द्वारा सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है, श्री मदन मोहन शरण सिंह, इण्डोवेशन मैनेजर, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स भविष्य को आकार दे रहे हैं। प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की यात्रा को संक्षेप में साझा किया। उनके भाषण ने विश्वविद्यालय की नवाचार और उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का संदर्भ प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ । इसके बाद अन्य सत्र आयोजित किए गए जिसमें स्पार्क क्रेस्ट- नवाचार और डिज़ाइन थिंकिंग सिद्धांतों, आंतरिक उद्यमिता कौशल, समस्या और अवसर पहचानना, युवा नवप्रवर्तकों की मेंटरिंग, कस्टमर डिस्कवरी कार्यशाला, समाधान विचार, छात्र स्टार्टअप्स के लिए ग्रांट्स, फंडिंग अवसरों, प्रोटोटाइपिंग, वित्तीय साक्षरता के मूल सिद्धांत और प्रोटोटाइपिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 7, 2024

PAGE-02

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

समाज के विकास में योगदान पर किया जागरूक

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग नवाचार सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के सहयोग से प्रतिष्ठित द्विदिवसीय इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्विद्यालय में किया। सभी को पौधे भेंट किया गया। डा निदा फातिमा ने बूटकैम्प की शुरुआत की। प्रोफेसर जावेद मुसर्रत, कुलपति, ने अपने संबोधन में बताया कि यह कार्यक्रम समाज के विकास में योगदान करने के लिए उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में निहित है। मुख्य अतिथि, रवि रंजन ने शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। विष्णु कांत पांडेय, मदन मोहन शरण सिंह, इण्डोवेशन मैनेजर, शिक्षा मंत्रालय प्रो. मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार ने नवाचार और उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का संदर्भ प्रदान किया।

December 7, 2024

Bharat 24 - Vision Of Ne Follow
@Bharat24Liv

लखनऊ की इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में पीएम श्री स्कूल के टीचर्स के लिए बूट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है...ये आयोजन दो दिन तक चलेगा.. कैंप में पीएम श्री स्कूल के टीचर्स को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी कि स्टूडेंट अपने स्टार्टअप को कैसे बेहतर बना सकते हैं... ट्रेनिंग के जरिए स्टूडेंट ना सिर्फ टीचर्स की देखरेख में स्टार्टप शुरू कर सकेंगे बल्कि उसे बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी... पीएम मोदी का सपना है कि देश के युवा सशक्त बन सकें.. इसलिए छात्र छात्राओं के स्टार्टअप को बेहतर बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही है... दो साल पहले केंद्र सरकार ने पीएम श्री योजना का शुभारंभ किया था. केंद्र सरकार अगले पांच साल तक के लिए इस योजना के लिए 27000 करोड़ रुपये से अधिक का बजट रखा है....आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 1,865 पीएम श्री स्कूल हैं.

Watch : t.ly/oPmye

#UttarPradesh #PMShriSchool #IntegralUniversity #Bharat24Digital

@viveksemiliye @PMOIndia @narendramodi @dpradhanbjp @myogiadityanath @UPGovt @IntegralUnilko @CMOfficeUP @BJP4UP @BJP4India

December 7, 2024

PAGE-7

राष्ट्रीय सहारा

शिक्षा में नवाचार व उद्यमिता के महत्व पर दिया गया जोर

इनोवेशन, डिज़ाइन व एंटरप्रेन्योरशिप का दो दिवसीय बूट कैम्प शुरू

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने इनोवेशन, डिज़ाइन और एंटरप्रेन्योरशिप का दो दिवसीय बूटकैम्प का आयोजन विश्वविद्यालय कैंपस में किया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन के एंबेसडर द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए पौधे भेंट करने से हुई। इसके बाद डा. निदा फातिमा ने बूटकैम्प की शुरुआत दीप जलाकर किया।

प्रोफेसर जावेद मसर्रत कुलपति ने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्योगों पर प्रभाव डालने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव देने में निहित है। मुख्य अतिथि रवि रंजन, आईएएस ने शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिससे वे छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें और उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें। विष्णु कांत पांडेय, समग्र शिक्षा ने कहा कि शिक्षकों को उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान द्वारा सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे छात्रों में रचनात्मक सोच और उद्यमिता बढ़ावा मिले। मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार ने विश्वविद्यालय की नवाचार और उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का संदर्भ प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

NEWS CLIPPING SERVICE

Central Library

Integral University Lucknow

December 7, 2024

PAGE-III

दैनिक जागरण

'शिक्षकों में नवाचार को बढ़ावा देने वाले कौशल की जरूरत'

लखनऊ : इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, एआइसीटीइ, सीबीएसइ की नवाचार सेल व एनसीइआरटी के सहयोग से दो दिवसीय इनोवेशन, डिजाइन एवं एंटरप्रेन्योरशिप बूट कैंप का आयोजन किया। विश्वविद्यालय परिसर में उद्घाटन सत्र की शुरुआत फाउंडेशन के एंबेसडर ने अतिथियों का स्वागत के साथ की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जावेद मुसर्रत ने अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि यूपीएलसी के एमडी रवि रंजन कहा कि शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिससे वे छात्रों में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें। उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें। अपर राज्य परियोजना निदेशक विष्णु कांत पांडेय ने कहा कि शिक्षकों में उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है। कुलसचिव प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी भी अपने विचार रखे। (वि.)

NEWS CLIPPING SERVICE
Central Library
Integral University Lucknow

December 7, 2024

PAGE-2

THE INQUILAB انقلاب

قوموں کی حیات ان کے تخیل پہ ہے موقوف (اقبال)

انٹیگرل یونیورسٹی میں انوویشن، ڈیزائن اور انٹرپرینیورشپ بوٹ کیمپ کا افتتاح

لکھنؤ (نامہ نگار): انٹیگرل یونیورسٹی میں پی ایم شری اسکولوں کے اساتذہ کے لیے انوویشن، ڈیزائن اور انٹرپرینیورشپ بوٹ کیمپ کی افتتاحی تقریب کا آغاز ہوا۔ میزبانی انٹیگرل یونیورسٹی اور انٹیگرل اسٹارٹ اپ فاؤنڈیشن نے کی۔ پروگرام محکمہ اسکولی ایجوکیشن اینڈ لٹریسی وزارت تعلیم کی انوویشن سیل، سنٹرل بورڈ آف سیکنڈری ایجوکیشن (سی بی ایس ای)، نیشنل کونسل آف ایجوکیشن ریسرچ اینڈ ٹریننگ (این سی ای آر ٹی) کے اشتراک سے منعقد کیا گیا۔ انٹیگرل اسٹارٹ اپ فاؤنڈیشن کی ایگزیکٹو ڈائریکٹر ڈاکٹر ندا فاطمہ نے خطبہ استقبالیہ پیش کیا۔ انہوں نے تعلیم میں جدت اور انٹرپرینیورشپ کی اہمیت اور اساتذہ کو بااختیار بنانے میں انوویشن، ڈیزائن اور انٹرپرینیورشپ بوٹ کیمپ کی فعالیت پر زور دیا۔ یونیورسٹی کے رجسٹرار پروفیسر محمد حارث صدیقی نے یونیورسٹی کے سفر پر تفصیلی روشنی ڈالی۔ وائس چانسلر پروفیسر جاوید مسرت نے بھی خطاب کیا۔ مہمان خصوصی روی رنجن، آئی اے ایس نے کلیدی خطبہ پیش کیا۔ انہوں نے جدید اور کاروباری تعلیم کو فروغ دینے کے لیے اساتذہ کو درکار مہارتوں اور علم سے آراستہ کرنے کی ضرورت پر زور دیا۔ وزارت تعلیم کے انوویشن سیل کے منیجر مدن موہن شرن سنگھ، مہمان اعزازی وشنو کانت پانڈے نے بھی خطاب کیا۔ افتتاحی تقریب کے بعد پروگرام کے موضوع پر دیگر سیشن منعقد ہوئے۔ بوٹ کیمپ میں ۲۰۰ سے زائد اساتذہ نے شرکت کی۔ تقریب کا اختتام قومی ترانہ سے ہوا۔

NEWS CLIPPING SERVICE

Central Library

Integral University Lucknow

December 7, 2024

PAGE-2

روزنامہ راشٹریہ سہارا

ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA LUCKNOW

انٹیگرل یونیورسٹی: انوویشن، ڈیزائن اور انٹرپرنیورشپ کا دو روزہ بوٹ کیمپ شروع

لکھنؤ (ایس این بی) انٹیگرل یونیورسٹی نے انوویشن، ڈیزائن اور انٹرپرنیورشپ کا دو روزہ بوٹ کیمپ کا انعقاد یونیورسٹی کیمپس میں کیا گیا۔ افتتاحی سیشن کی شروعات انٹیگرل اسٹارٹ اپس فاؤنڈیشن کے انوسٹر کے ذریعہ مہمانوں کا خیر مقدم کرتے ہوئے پودے دیے گئے۔ اس کے بعد ڈاکٹر ندا فاطمہ نے بوٹ کیمپس کی شروعات شمع روشن کر کے کیا۔ پروفیسر جاوید مسرت نے کہا کہ یہ پروگرام سماج میں تبدیلی لانے، صنعتوں پر اثر ڈالنے اور سماج کی ترقی میں مدد کرنے کے لیے ہے۔ چیف مہمان روی رنجن آئی اے ایس نے ایجوکیشن میں صنعت کاری کو فروغ دے سکیں اور انہیں نوکری چاہنے والے نہیں بلکہ نوکری دینے والے بن سکیں۔ وشنو کانت پانڈے نے بھی اپنے خیالات کا اظہار کیا۔ محمد حارث صدیقی رجسٹرار نے یونیورسٹی کی صنعت کاری کے تئیں بیدار کیا۔ پروگرام کا اختتام اظہار تشکر سے ہوا۔

PAGE-02

روزنامہ راشٹریہ سہارا
ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA LUCKNOW

ہوٹل اور اسپتال کے شعبہ میں قدم رکھے گا مورل گروپ: اے جے

لکھنؤ(ایس این بی) اکانا اسٹیڈیم میں مورل گروپ آف کمپنیز کے تقریب میں سماج کی کئی ہستیوں، فلم کلاکار رضا مراد، راہل رائے، فیشن ڈیزائنر اسماں حسین کو مورل بھارت اعزاز سے نوازا گیا۔ سی ایم ڈی ارون شرما نے بتایا کہ ہم اپنی سخت محنت سے آج 18ویں برس میں پہنچ گئے ہیں۔ اس دوران ایف ایم سی جی، ایگرو، فارماس سمیت کئی کمپنی کے مختلف چیزوں کو بھی پیش کیا گیا۔ کمپنی کے ایم ڈی اجے کمار شرما نے بتایا کہ کمپنی جلد ہی ہوٹل اور اسپتال کے فیلڈ میں بھی قدم رکھنے جا رہی ہے۔ انھوں نے یوا مورل برس مہا کمبھ کا نام دیا۔ اس موقع پر اعزاز سے انٹرنیشنل رائٹر شیو کھیڑا، لوک گائک و ماحولیات کے لیے کام کرتے رہنے کے لیے کرشا نند رائے اور وشال سنگھ کو اعزاز سے نوازا گیا۔

NEWS CLIPPING SERVICE

Central Library

Integral University Lucknow

December 7, 2024

PAGE-3

روزنامہ آگ — URDU DAILY AAG LUCKNOW

'اساتذہ طلباء کو ملازمت چاہنے والا نہیں ملازمت دینے والا بنائیں'

لکھنؤ (نامہ نگار) اساتذہ کو وہ ہنر اور علم حاصل کرنے کی ضرورت ہے جس سے وہ طلباء میں انوویشن اور صنعت کاری کو فروغ دیں سکے اور انہیں ملازمت چاہنے والے نہیں بلکہ ملازمت دینے والے بنا سکیں۔ ان خیالات کا اظہار انٹیگرل یونیورسٹی اور انٹیگرل اسٹارٹ اپ فاؤنڈیشن میں حکومت ہند کے وزارت تعلیم کے اسکول تعلیم اور خواندگی محکمہ اے آئی سی ٹی ای حکومت ہند انوویشن سیل، مرکزی ثانوی تعلیمی بورڈ (سی بی ایس ای) اور قومی تعلیمی تحقیقی و تربیتی بورڈ (این سی ای آر ٹی) کے تعاون سے انوویشن، ڈیزائن اور انٹر پرینور شپ آئی ڈی ای بوٹ کیمپ کے

انعقاد میں آئی اے ایس ایم ڈی یو پی ایل سی روی رنجن نے کیا۔ انہوں نے تعلیم میں انوویشن اور صنعت کاری کی اہمیت پر زور دیا۔ وائس چانسلر انٹیگرل یونیورسٹی

پروفیسر جاوید مشرف نے کہا کہ یہ پروگرام یونیورسٹی کے اس عہد کی علامت ہے جو سماجی تبدیلی لانے، صنعتوں پر اثر ڈالنے اور سماج کی ترقی میں تعاون کرنے کیلئے اعلیٰ تعلیمی

تجربہ فراہم کرنے میں پوشیدہ ہے۔ وشنو کانت نے کہا کہ اساتذہ کو صنعت کاری کی سوچ تیار کرنے کیلئے ضروری ہنر اور علم کیلئے حکومت انوویشن کی ثقافت کی حوصلہ افزائی کر رہی ہے۔ جس سے طلباء میں تخلیقی سوچ اور صنعت کاری کو فروغ ملے۔ مدن موہن چرن سنگھ، انوویشن منیجر، وزارت تعلیم کے انوویشن سیل نے اس بات پر زور دیا کہ اسٹارٹ اپس مستقبل کو تخلیق کر رہے ہیں اور اساتذہ و اسکولوں کی قیادت میں صنعتکاری سوچ کو فروغ دینے کی ضرورت ہے۔ پروفیسر محمد حارث صدیقی، رجسٹرار، انٹیگرل یونیورسٹی کے سفر کو مختصر میں شیئر کیا۔ اختتام قومی ترانے سے ہوا۔

11

December 7, 2024

दैनिक जागरण

PAGE-III

इंस्टीग्रल यूनिवर्सिटी की ओर से इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रिन्योरशिप–बूटकैंप, केंद्रीय सभागार, विश्वविद्यालय परिसर, कुर्सी रोड, सुबह 9:30 बजे।

NBT नवभारत टाइम्स

PAGE-3

इनोवेशन, डिजाइन और आंत्रप्न्योरशिप बूटकैंप, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, सुबह 9:30 बजे।

December 7, 2024

हिन्दुस्तान

इंटीग्रल विश्वविद्यालय में इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन की ओर से इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (आईडीई) बूटकैम्प का समापन हुआ। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, एआईसीटीई, एनसीईआरटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एकेटीयू कुलपति जय प्रकाश पांडेय ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में गेमचेंजर की भूमिका अदा करेंगे। कहा कि हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। पहले स्थान पर आने के लिए स्टार्ट अप व इनोवेशन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि भारत फेसबुक, गूगल, व्हाट्सएप, माइक्रोसॉफ्ट व ऐपल आदि कंपनियों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। मगर यह सभी विदेशी उत्पाद हैं इसलिए आवश्यकता है कि हम भी ऐसे उत्पाद बनाएं जिसका विदेशी बाजारों में अधिकाधिक प्रयोग हो। चांसलर प्रोफेसर सैयद वसीम अख्तर, कुलपति प्रोफेसर जावेद मसर्रत समेत पीएम श्री स्कूलों के 200 प्रिंसिपल और शिक्षकों ने भाग लिया।

PAGE-05

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, शनिवार, 7 दिसम्बर 2024

छात्रों को नौकरी चाहने वाला नहीं देने वाला बनाएं शिक्षक

लखनऊ (सं)। शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है। जिससे वे छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें और उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें। यह बात इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, एआईसीटीई भारत सरकार, नवाचार सेल, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद एनसीआरटी के सहयोग से इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप आईडीई बूटकैम्प के आयोजन में आईएएस एमडी यूपीएलसी रवि रंजन ने कही।

उन्होंने शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। कुलपति इंटीग्रल यूनिवर्सिटी प्रोफेसर जावेद मुर्सरत कहा कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्योगों पर प्रभाव डालने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में निहित है। समग्र शिक्षा के विष्णु कांत ने कहा कि शिक्षकों को उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान द्वारा सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे छात्रों में रचनात्मक सोच और उद्यमिता को बढ़ावा मिले। मदन मोहन शरण सिंह, इनोवेशन मैनेजर, शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स भविष्य को आकार दे रहे हैं और शिक्षकों तथा विद्यालयों के नेतृत्व में उद्यमिता सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी, रजिस्ट्रार, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की यात्रा को संक्षेप में साझा किया। समापन राष्ट्रगान से हुआ।

December 7, 2024

हिन्द वतन

R.N.I No. UPHIN/2004/14443

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सहयोग से बूटकैम्प का किया आयोजन

हिन्द वतन संवाददाता

लखनऊ। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, AICTE, भारत सरकार, नवाचार सेल, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के सहयोग से प्रतिष्ठित द्विदिवसीय इनोवेशन, डिजाइन और एंटरप्रेन्योरशिप (IDE) बूटकैम्प का आयोजन इंटीग्रल विश्वविद्यालय में किया। उद्घाटन सत्र की शुरूआत इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन (ISF) के एंबेसडर द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए पौधे भेंट करने से हुई। इसके बाद डा निदा फातिमा ने गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन किया तत्पश्चात बूटकैम्प की शुरूआत हुई प्रोफेसर जावेद मुसर्रत माननीय कुलपति इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में बताया कि वह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो सामाजिक परिवर्तन लाने, उद्योगों पर प्रभाव डालने और समाज के विकास में योगदान करने के लिए

Continue Page 20

NEWS CLIPPING SERVICE

<u>Central Library</u>

Integral University Lucknow

December 7, 2024

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ और इंटीग्रल स्टार्टअप्स फाउंडेशन ने भारतीय सरकार के शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सहयोग से बूटकैम्प का किया आयोजन

from Page 19

उत्कृष्ट शैक्षिक अनुभव प्रदान करने में निहित है।मुख्य अतिथि श्री रवि रंजन, IAS, MD, UPLC ने उद्घाटन भाषण में शिक्षा में नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों को वह कौशल और ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिससे वे छात्रों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा दे सकें और उन्हें नौकरी चाहने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बना सकें।सम्मानित अतिथि विष्णु कांत पांडेय ASPD समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश ने कहा कि शिक्षकों को उद्यमिता की सोच विकसित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान द्वारा सरकार नवाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित कर रही है, जिससे छात्रों में रचनात्मक सोच और उद्यमिता बढ़ावा मिले। मदन मोहन शरण सिंह इण्डोवेशन मैनेजर शिक्षा मंत्रालय के नवाचार सेल (MIC) ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप्स भविष्य को आकार दे रहे हैं और शिक्षकों तथा विद्यालयों के नेतृत्व में उद्यमिता सोच को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

प्रोफेसर मोहम्मद हारिस सिद्दीकी रजिस्ट्रार इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपने संबोधन में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की यात्रा को संक्षेप में साझा किया।

उनके भाषण ने विश्वविद्यालय की नवाचार और उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का संदर्भ प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इसके बाद अन्य सत्र आयोजित किए गए जिसमें स्पार्क क्वेस्टः नवाचार और डिजाइन थिंकिंग सिद्धांतों, आंतरिक उद्यमिता कौशल, समस्या और अवसर पहचानना, युवा नवप्रवर्तकों की मेंटरिंग, कस्टमर डिस्कवरी कार्यशाला, समाधान विचार, छात्र स्टार्टअप्स के लिए ग्रांट्स, फंडिंग अवसरों, प्रोटोटाइपिंग, वित्तीय साक्षरता के मूल सिद्धांत और प्रोटोटाइपिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।इन सत्रों में नवाचार के विभिन्न मॉडलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें उद्यमिता कौशल के अन्वेषण के लिए उपकरण, उद्यमिता उपक्रमों में नवाचारों पर केस चर्चाएँ, डिजाइन थिंकिंग दृष्टिकोण के साथ पर्सोना तैयार करना, ग्राहक सेगमेंट द्वारा Jobs-To-Be-Done के बारे में सीखना, विचार उत्पन्न करने की तकनीकें और अन्य संबंधित विषय शामिल थे।सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के इन्क्यूबेशन सेंटर / सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया और DoSELMOE द्वारा किए गए नवाचार प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त की।